अधिप्रमाणित

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय जिसका मुख्यालय इम्पफाल, मणिपुर हैं। एक पूर्ण आवासीय विश्वविद्यालय है जिसके अधिकार क्षेत्र में असम छोड़कर उत्तर पूर्व के सभी राज्य हैं। के. कृ. वि. में भी शिक्षा, अनुसंधान एव प्रसार के समेकित कार्यक्रम है। विश्वविद्यालय में उत्तम प्रयोगशालायें, अनुसंधान एवं प्रदर्शन फार्म, 6 कृविकें. 6 बहु प्रद्योगिकी परीक्षण केंद्र एवं 6 व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र हैं। विश्वविद्यालय अपने 13 संघटक कालेजों के द्वारा विभिन्न संकायों में 9 स्नातक, 43 स्नातकोत्तर तथा 23 पीएचडी डिग्री कार्यक्रम चलाता है। भाकृअप की 2018 की रैकिंग में कृषि विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय को 25वां स्थान मिला। एवं मा.सं वि. मं. के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग में भारत में 151–200 के बीच स्थान रहा।

शैक्षणिक सत्र 2019–20 हेतु कुल 506, 183 तथा 38 विद्यार्थियों ने विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश लिया। मलावी और सूडान से एक–एक विदेशी छात्रों ने स्नातकोत्तर में प्रवेश लिया कुल 311 स्नातक एवं 140 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने डिग्री पूर्ण की तथा इस अवधि में 21 विद्यार्थियों ने पीएचडी पूर्ण की। विश्वविद्यालय के कुल 2311 विद्यार्थियों में 357 सामान्य वर्ग, 152 अनुसूचित जाति, 614 अन्य पिछड़े वर्ग 1169 अ.ज. जाति, 12 इ डब्लूएस 4 दिव्यांग एवं 3 अन्य वर्ग के थे। इनमें 990 पुरुष एवं 1321 महिलायें थी जिससे पुरुष महिला अनुपात 1:1.3 था।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता परीक्षाओं तथा उच्च अध्ययन के राष्ट्रीय/प्रसिद्ध संस्थाओं में प्रवेश में अति उत्तम प्रदर्शन किया। आज तक में इस विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण 73: विद्यार्थियों ने सरकारी विभागों में नौकरी प्राप्त की है। रिपोर्ट अवधि में 10 विद्यार्थियों ने कृषि शोध सेवा (जे. आर. एपफ.), 4 ने भा.कृ.अ.य–एस. आर. एफ., 21 नेट तथा 6 ने गेट परीक्षा उत्तीर्ण की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' पर एकता के बंधन को सुदृढ़ बनाने हेतु एकता शपथ एवं एकता हेतु दौड़ आयोजित किया गया। कार्यालय एवं रोजमर्रा के कामों में राजभाषा

हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु हिन्दी पखवाड़ा 2018 वाद विवाद, निबंध लेखन, कविता प्रतियोगिता सहित मनाया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सफाई कार्य करते हुये कालेज परिसर में पौधे लगाये गये।

रिर्पोटिंग वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने 65 अंतर्मुखी परियोजनायें चलायी जिसमें 7 नये अनुमोदित थे, 51 चलती हुई तथा 7 विश्वविद्यालय पोषित कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्ण थीं। 99 बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं में से 8 नये अनुमोदित, 80 चलती हुईं तथा 11 पूर्ण थे।

वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने 10 क्विंटल के लक्ष्य के विपरीत 11.98 क्विंटल फसलों के जनक बीज उत्पादित किये। किसान के खेत में 505 क्विंटल के लक्ष्य के विपरीत 584.70 क्विंटल फसलों के सत्यापित बीज उत्पादन किये गये। और भी किसान के खेत में तिलहन के 60 क्विंटल के लक्ष्य के विपरीत 83 क्विंटल सत्यापित बीज उत्पादन किया गया। चावल की तीन किस्मों सी.एयू.आर.–2 (तोमथिनफाऊ), सी.एयू.आर.–3 (मंगलफाऊ) एवं सी.एयू.आर.–4 इनोतफाऊ को जारी कर राजपत्र में सूचित किया गया। रिर्पोटिंग वर्ष के दौरान बहु स्तंभ बालू छन्ना–एक विधि पर एक पेटेट प्रदान हुआ।

प्रसार शिक्षा निदेशालय सात उत्तर पूर्वी राज्यों के किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के द्वारा प्रसार सेवायें प्रदान करता है। वर्ष के दौरान कार्यान्वित कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदर्शन, खेत दिवस, किसान मेला, किसान कांग्रेस, प्रदर्शनी, रेडियो वार्ता, टीवी प्रस्तुति, फिल्म शो, कार्यशाला आदि सम्मिलित हैं। 13 संघटक कालेजों, 6 कृषि विज्ञान केंद्रों तथा 6 बहु उद्देशीय प्रौद्योगिकी परीक्षण एव व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा सात राज्यों के विभिन्न जिलों में प्रौद्योगिकी के स्थानांतरण को योजनाबद्ध किया गया।

कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्र में संबंधित विभागों, कृ.वि.के., आत्मा एवं एन. जी. ओ. के 861 प्रसार कर्मियों हेतु 46 क्षमता सृजन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 13 तीन माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं 1531 आवश्यकता आधरित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुल मिलाकर 228 बेरोजगार युवक एवं 23,393 कृषक/खेतिहर महिलायें/ग्रामीण युवाओं को लाभ मिला। अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम एवं त्रिपुरा के 360 किसानों को लेकर 66 विभिन्न प्रौद्योगिकियों का परीक्षण किया गया। इसके अलावा 721.65 हेक्टेयर में 136 अग्र पंक्ति प्रदर्शन किया गया जिससे 2087 किसानों को लाभ मिला।

विश्वविद्यालय में 28 प्रशासनिक, 298 शिक्षण तथा 776 गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को मिलाकर 1102 कुल कर्मचारी क्षमता है। मुख्यालय में 14 कार्यपालक अधिकारी प्रशासनिक पदों पर हैं जिनके सहयोग हेतु 34 तकनीकी एवं 111 गैर तकनीकी कर्मचारी हैं। विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेजों में 298 शैक्षणिक तथा 630 गैर शैक्षणिक कर्मचारी हैं। वर्ष के दौरान 117 लोगों की नई नियुक्ति हुई। रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान 25 लोग

स्थानांतरित हुये 7 सेवा निवृत हुये 2 की मृत्यु हो गई एवं 10 ने त्याग पत्र दे दिया। 114 गैर शैक्षणिक लोगों को पदोन्नति मिली।

विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना सुविधओं की आवश्यकता को पूर्ण करने हेतु वर्ष के दौरान विभिन्न निर्माण कार्यों को किया गया। इसमें कालेज भवन, प्रयोगशालायें, छात्रावास, कर्मचारी आवास, रंगशाला, सूचना केंद्र, कैंटीन, डाकघर बैंक, सुरक्षा बैठक आदि शामिल हैं। विश्वद्यालय नये स्थपित कालेजों के निर्माण कार्यों पर विशेष जोर दे रही है जिससे शीघ्र अति शीघ्र कालेजों के स्थायी परिसर में शैक्षणिक कक्षायें प्रारंभ की जा सकें।

रिर्पोटिंग वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेजों के शिक्षकों ने 395 पूर्ण अनुसंधान तथा 54 सेमिनार कार्यवृत्त, 176 सेमिनार में प्रस्तुत पत्र, 49 प्रसिद्ध लेख, 17 पुस्तकें, 61 पुस्तक अध्याय तथा 134 विवरणिका / पैंपफलेट मिलाकर कुल 1083 अनुसंधान साहित्य प्रकाशित किये।

रिर्पोटिंग वर्ष के दौरान उत्तर पूर्वी पर्वतीय भारतीय क्षेत्र के सात राज्यों में स्थित विभिन्न कॉलेज परिसरों में विश्वविद्यलाय ने 120 प्रसिद्ध आगंतुक देखे। आगंतुकों में प्रसिद्ध प्रशासक, वैज्ञानिक, शिक्षक, मेधावी विद्यार्थी तथा प्रगतिशील किसान सम्मिलित थे।

भारत सरकार ने विश्वविद्यालय को 2019–20 में अनुदान के रुप में 184.97 करोड़ रूपये निर्गत किये जिसका पूर्ण उपयोग कर लिया गया ।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय जो एक बहुपरिसरीय विश्वविद्यालय है, 6 पूर्वोत्तर पर्वतीय राज्यों की सीमाओं में है। इस क्षेत्र को गहन सम्पर्क की कमी और स्थानीय तथा क्षेत्रीय सामाजिक राजनैतिक व्यवधानों के रूप में जाना जाता है। परिणाम स्वरूप इसका विश्वविद्यालय पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, देश का दुर्गम क्षेत्र होने के कारण, विश्वविद्यालय, मुख्यालय और इसके विभिन्न परिसरों में बेहतर स्थिति के लिए योग्य कार्मिक भी प्राप्त नहीं कर पा रहा। इन सभी बाधाओं के बावजूद भी विश्वविद्यालय उपलब्ध स्टाफ और संसाधनों के साथ अध्यापन, अनुसंधान और प्रसार शिक्षा से सम्बद्ध अपने अधिदेषों को पूरा कर रहा है।